8 मीडिया और विज्ञापन

आप सभी रेडियो, टी.वी., समाचार पत्रों पर बहुत से समाचार सुनते पढ़ते होंगे ? बारिश में गर्मी में ठंडी में हमें क्या खाना चाहिए क्या पहनना चाहिए ,कैसे स्वस्थ रहें? आदि के बारे में जो रेडियो या टी.वी को अपने जीवन में शामिल कर लेते हैं उन्हें रेडियो या टी. वी नितान्त चालू चाहिए होता है। आपको भी रेडियो या टेलीविजन पर कोई कार्यक्रम अच्छा लगता होगा। क्या कभी आपके मन में यह विचार उत्पन्न हुआ कि कैसे हमें घर बैठे ही विश्व की खबरों को देखने,सुनने और पढ़ने मिल जाता है? किसी भी संदेश को हम तुरंत विश्व के किसी भी कोने में तुरंत कैसे भेजते हैं ? आप इन सब प्रश्नों के उत्तर खोजिए, और मीडिया क्या है इसे जानिए –

रेडियो,टेलीविजन,अखबार,इंटरनेट और संचार के अन्य साधनों को सामूहिक रूप से मीडिया (संचार माध्यम) कहा जाता है। इन सब को मॉस मीडिया भी कहते हैं।

संचार माध्यम (मीडिया) के रूप

संचार माध्यम (मीडिया) के रूप

- मुद्रण माध्यम — समाचार पत्र–पत्रिकाएँ पुस्तक एवं जर्नल आदि
- वार्तालाप माध्यम — टेलीफोन, मोबाईल फोन, वीडियो फोन आदि
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम — फिल्म, रेडियो,दूरदर्शन ऑडियो–वीडियो कैसेट डिस्क आदि।

चित्र समूह–8.1

प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र)

समाचार पत्रों की शुरूआत कोलकाता में हुई जो कुछ निश्चित क्षेत्रों तक ही सीमित था। समय के साथ –साथ छपाई कला में दक्षता आई और छपाई के बहुत से मशीन आ गए जो रंगीन प्रिंट भी देने लगे हैं। प्रायः शहरों में देखते हैं चाहे बारिश भरी रात हो या ठंड से भरी सुबह हो उनकी सुबह (दिनचर्या) की शुरूआत समाचार पत्रों की बहुत सारी जानकारी के साथ होती है। समाचार पत्रों में केवल सूचनाएँ ही नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य, धर्म, हॉलीवुड, वॉलीवुड की खबरें भी होती हैं। विभिन्न विज्ञापनों का समावेश भी समाचार पत्रों में होता है।

शिक्षक की सहायता से उत्तर दीजिए –

(1) भारत का पहला समाचार पत्र कब और कहाँ से प्रारंभ हुआ और किसने किया ?

(2) छत्तीसगढ़ का पहला समाचार पत्र कौन सा है?

(3) पहला हिन्दी समाचार पत्र कौन सा था?

(4) आपके क्षेत्र में सर्वाधिक प्रचलित समाचार पत्रों के नाम लिखिए ?

(5) क्या आपके क्षेत्र में कोई अंग्रेजी समाचार पत्र आता है यदि हाँ तो उसका नाम लिखिए?

(6) समाचार पत्र पढ़ने से हमारे किन– किन कौशलों (दक्षताओं) का विकास होता है?

(7) समाचार पत्र का कौन– सा हिस्सा आपको पढ़ने में अच्छा लगता है?

रेडियो :–

रेडियो का उपयोग खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलता है।यह प्रायः लोगों के मनोरंजन का साधन होता है। लोग गाना सुनते हैं,बच्चों एवं कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए भी रेडियो सुनते हैं। आज से लगभग 50वर्ष पूर्व लोग रेडियो बड़े चाव से सुनते थे जिसे आप पुरानी फिल्मों में देख सकते हैं। आज भी लोग प्रधानमंत्री के मन की बात सुनने के लिए रेडियो को अपने जीवन का हिस्सा बनाए हुए हैं। विविध भारती, ऑल इंडिया रेडियो, एफ.एम आदि आकाशवाणी केन्द्र प्रचलित हैं। क्षेत्रीय बैण्ड इन्हीं आकाशवाणी केन्द्रों का अंग है इसके माध्यम से जिन बोलियों की लिपि नहीं है ऐसी बोलियों के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

1. रेडियो के मोनो को देखकर उस पर लिखे हुए नारा को बताइए और हिन्दी में अर्थ समझाइए ?
2. आपको रेडियो में प्रसारित होने वाले कौन – कौन से कार्यक्रम पंसद है और क्यों?
3. क्या रेडियो हमारे लिए आवश्यक है ?
4. रेडियो में प्रत्येक स्थान पर एक ही जैसा कार्यक्रम क्यों आता है ? शिक्षक की सहायता से पता करें।
5. हम रेडियो के द्वारा किस प्रकार मनोरंजन करते हैं?
6. रेडियो के द्वारा किस –किस प्रकार के कार्यक्रर्मों का प्रसारण किया जाता है? माता–पिता या किसी अन्य की सहायता से जानकारी प्राप्त करें।

टेलीविजन :–

कुछ वर्षों पहले टेलीविजन का मतलब सिर्फ मनोरंजन हुआ करता था। बच्चे हों या बड़े सबको रविवार का इंतजार रहता था। रंगोली, जंगल बुक चंद्रकांता, रामायाण, महाभारत, शक्तिमान आदि कार्यकक्रम का आनंद लेने लोग टी.वी के सामने समय से पहले ही बैठे रहते थे। कुछ घरों में तो टॉकीज जैसा नजारा होता था। पूरे मुहल्ले के लोग इकटठा होकर टी.वी देखते थे। आप अपने दादा–दादी माता–पिता से पूछिए उन्हें किस तरह फिल्म का इंतजार हुआ करता था। चित्र स्पष्ट न आने पर एंटीना को इधर उधर घुमाते रहते और मूक बधिर समाचारों का नकल करते रहते थे। आज सभी के लिए अलग–अलग चैनल है जैसे फिल्म,धार्मिक चैनल, बच्चों का चैनल आदि। समाचार तो 24 घंटे चलता रहता है। लोग अपनी पसंद और स्वयं के लिए उपयोगी चैनल का उपयोग करते हैं। दूरदर्शन में चलित चित्र को देख सकते हैं और आवाज को सुन सकते हैं।

1. अपने माता–पिता से पूछिए उनके समय और आज के टीवी के महत्व में क्या अंतर है।
2. टेलीविजन का कौन सा कार्यक्रम अच्छा लगता है और क्यों ?
3. टेलीविजन के बिना हमारा जीवन कैसा होगा ?
4. रेडियो और टेलीविजन में क्या समानता और अन्तर है?

इसी प्रकार और भी कई मीडिया है उनके विषय में आप अपने शिक्षक से चर्चा करें।

मीडिया का महत्व :–

मीडिया आज समाज निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य कर रहा है। इतिहास में ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। लोग मीडिया की शक्ति को पहचानते हुए इसका उपयोग लोक परिवर्तन के लिए करते रहे हैं। जब हम अंग्रेजों के गुलाम थे मीडिया ने ही हममें देशभक्ति व उत्साह भरने का कार्य किया था। मीडिया जन जागरूकता लाने का कार्य करता है जैसे आपने देखा है जब भी पोलियों की दवा पिलाने के लिए अभियान हो, एड्स के प्रति जागरूकता लाना हो,लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित करना हो, बाल मजदूरी को रोकने का प्रयास करना हो, धूम्रपान के खतरों से अवगत कराना हो चाहे देश के भ्रष्टाचारियों पर कड़ी नजर रखना हो तो मीड़िया के सभी माध्यम सक्रिय हो जाते हैं। आपने यह तो टी.वी. पर जरूर देखा होगा कि आपकी सुरक्षा के लिए रेल्वे फाटक बंद रहने पर पार न करने की सलाह दी जाती है। हेलमेट का उपयोग करने के लिए कितना अच्छा कहा जाता है "आपका सिर आपकी मर्जी।"

1. मीडिया के अच्छे एवं खराब प्रभाव के बारे में शिक्षक की सहायता से लिखिए ।
2. देश– विदेश की विभिन्न सूचनाएँ किन – किन माध्यमों से प्राप्त होती है ? उन माध्यमों की सूची बनाइए ।

जनसंपर्क :–

जनसंपर्क का सीधा अर्थ है "जनता से संपर्क रखना।" जनसंपर्क एक प्रक्रिया है जो किसी

निश्चित उद्देश्य से व्यक्ति या वस्तु की छबि, महत्व एवं विश्वास को समूह अथवा समाज में स्थापित करने में सहायक होती है। जनसंचार के विभिन्न उपकरणों के माध्यम से समाज या समूह से जीवन्त संबंध बनाने में यह सेतु का कार्य करती है। जनसंपर्क,संचार और संप्रेषण का एक पहलू है जिसमें किसी व्यक्ति या संगठन तथा इस क्षेत्र से संबंधित लोगों के बीच संपर्क स्थापित किया जाता है। इस प्रकार यह सेवा लेने वालों तथा देने वालों के बीच एक सेतु का काम करता है। यह एक द्विपक्षीय कार्यवाही है,जिसमें सूचनाओं तथा विचारों का आदान – प्रदान होता है।

केन्द्र तथा राज्य सरकारों की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रसारित करने के लिए जनसंपर्क विभाग स्थापित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क का मुख्य कार्यालय रायपुर में है और सुविधा के लिए प्रत्येक जिले में जनसंपर्क कार्यालय खोला गया है। किसी भी संगठन या किसी संस्था का जनता के साथ जो संबंध बनता है, उसे जनसंपर्क कहते हैं।

विज्ञापन :–

विज्ञापन लोगों का ध्यान आकर्षित करने का एक तरीका है। आज हम चारों ओर अपने आपको विज्ञापनों से घिरा हुआ पाते हैं। हम इन्हें टेलीविजन पर देखते हैं,रेडियो पर सुनते हैं सडकों पर देखते हैं तथा समाचार पत्र और पत्रिकाओं में पढ़ते हैं। यहाँ तक कि टैक्सियों और रिक्शों पर भी विज्ञापन दिखाई पड़ता है। टेलीविजन ,रेडियो, थिएटर में बीच–बीच में विज्ञापन आते रहते हैं।

आखिर विज्ञापन क्यों करते हैं ? किस तरह हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं ?

किसी उत्पाद या सेवा को बेचने के उद्देश्य से किया जाने वाला जनसंचार विज्ञापन कहलाता है।

इनमें हमें दृश्य और श्रव्य सूचना इस प्रकार दी जाती है कि विज्ञापन करने वाले की इच्छा के प्रति हम अपनी सहमति दें। विज्ञापन वस्तुओं को ऐसे लोगों तक पहुँचाने का कार्य करता है जो यह मान चुके होते हैं कि उन वस्तुओं की उसे कोई जरूरत नहीं है। किसी भी तथ्य को यदि बार – बार लगातार दोहराया जाए तो वह सत्य प्रतीत होने लगता है । विज्ञापन यही कार्य करता है। टेलीविजन का विज्ञापन सबसे अधिक प्रभावी है। जब आप अपना पंसदीदा कार्यक्रम देख रहे हों और इस समय विज्ञापनों को दिखाया जाए तो आप जरूर देखते हैं और उस पर विचार करते हैं।

विज्ञापन लोगों की निजी भावनाओं को पुकारता है। इसीलिए कई बार जब लोग उस विज्ञापित वस्तु को नहीं खरीद पाते हैं तब उन्हें बुरा लगता है। विज्ञापन उत्पादों को बेचने के अलावा यह भी बताते हैं कि हमें अपना जीवन कैसे जीना चाहिए, हमारी महत्वाकांक्षाएँ तथा स्वप्न कैसे हों, हम अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कैसे करें और चुस्त,सफल और सुन्दर होने का तात्पर्य क्या है? लोकतंत्रीय समाज का नागरिक होने के कारण हमें अपने जीवन पर विज्ञापनों से पड़ने वाले सशक्त प्रभाव के बारे में सजग रहना जरूरी है। विज्ञापन क्या करते हैं? इसके बारे में तर्को के साथ सोचने के पश्चात हम बेहतर निर्णय ले सकेंगे कि हमें अमुक वस्तु खरीदनी है या नहीं।

चित्र –1 चित्र–2 चित्र –3

चित्र समूह–8.2

चित्र 1 का विज्ञापन आपसे क्या बोलता है ?

चित्र 2 के विज्ञापन से आप क्या सीखते है?

चित्र 3 विज्ञापन से आपको क्या सीख मिलती है?

विज्ञापन की रचना –प्रक्रिया

किसी भी व्यापारी के दिमाग में यह स्पष्ट होता है कि उसकी वस्तु का उपयोग कौन करेगा? इसलिए वह उसके अनुसार विज्ञापन की भाषा, चित्र एवं अखबार और ,पत्रिकाओं को चुनता है। विज्ञापनों द्वारा हमारी सोच को बीमार कर दिया जाता है और हम उनकी ओर स्वयं को बचे हुए पाते हैं। मुँह धोने के लिए हजारों किस्म के साबुन और फेसवॉश मिल जाएँगे। मुख की चमक को बनाए रखने के लिए हजारों प्रकार के क्रीम विज्ञापनों द्वारा हमें यह विश्वास दिला दिया जाता है कि यह क्रीम हमें जवान और सुंदर बना देगा। रंग यदि काला है तो वह गोरा हो जाएगा। इन विज्ञापनों में सत्यता लाने के लए बड़े–बड़े खिलाड़ियों और फिल्मी कलाकारों को लिया जाता है। हम इन कलकारों की बातों को सच मानकर अपना पैसा पानी की तरह बहाते हैं। विज्ञापनों में जो दिखाया जाता है वह शत–प्रतिशत सही नहीं होता है।

यदि किसी कामकाजी महिलाओं के लिए कोई विज्ञापन तैयार करना हो तो यह ध्यान रखा जाता है कि व निम्न /मध्य /उच्च वर्ग की है। उनकी शैक्षनिक स्तर साधारण या उच्च है। यदि वस्तु की खरीददार मध्यम श्रेणी की महिलाएँ हैं तो विज्ञापन कुछ इस तरह होगा जिसका था आपको इंतजार ..... एक क्रीम जो आपकी त्वाचा को बनाए चमकदार .....आपके पति आपको देखते रह जाए .....।

इसी प्रकार निम्न आय वर्ग की खरीददार हो तो

ये क्रीम सस्ती और श्रेष्ठ है ,इसीलिए तो राधा,सरिता,बंसती भी इसे इस्तेमाल करती है।

1. विज्ञापन की उक्त दोनों रचना में किन–किन बातों को ध्यान रखा गया है ।

2. दोनों विज्ञापन में छिपी भावनाओं को शिक्षक की सहायता से समझें जिससे महिलाएँ प्रभावित होकर उक्त क्रीम खरीदने को तैयार होगी।

3. विज्ञापन से हमें सावधान क्यों रहना चाहिए।

4. क्या विज्ञापन किसी वस्तु के विक्रय के लिए आवश्यक है।

गतिविधि :–

1. विभिन्न समाचार पत्रों में छपे विज्ञापनों को एकत्र कर उनमें दिए संदेशों को लिखिए ।

2. समाचार पत्रों से सरकार की विभिन्न योजनाओं के विज्ञापनों की कतरनें चार्ट पर चिपकाएँ शिक्षक से उन योजनाओं के लाभ पर चर्चा कीजिए ।

3सड़क सुरक्षा पर विज्ञापन तैयार करें। (शिक्षक की सहायता से)

स्वच्छ भारत अभियान

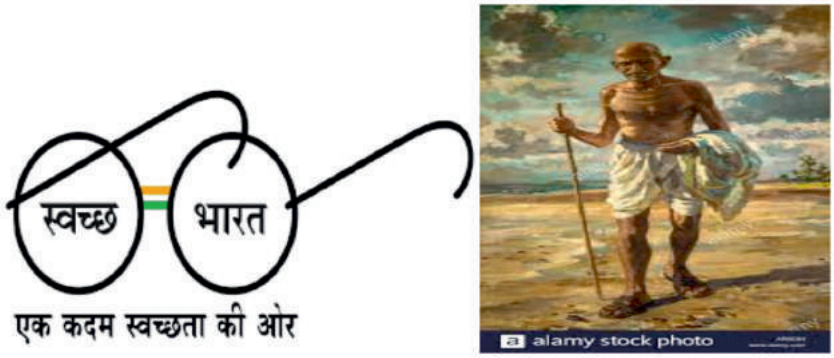

चित्र समूह–8.3

02 अक्टूबर 2014 गाँधी जयंती के दिन हमारे प्रधानमंत्री ने "भारत छोड़ो आंदोलन" के तर्ज पर स्वच्छ भारत अभियान (क्लीन इंडिया मूवमेंट) की शुरूआत की । भारत के सवा सौ करोड़ लोगों को आन्दोलन का हिस्सा बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने खुद हाथ में झाड़ू थाम लिया और अभियान को राजनीति से दूर रखने का ऐलान कर हर नागरिक से आशा जताई कि वह अपने आस– पास स्वच्छता रखेंगे। सफाई को सरकारी अभियान के बजाए जनता के आन्दोलन के रूप में स्थापित करने का भी उन्होंने प्रयास किया।

1. टेलीविजन पर प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान पर कौन – कौन से विज्ञापन आते हैं अपने शब्दों में बताइए।
2. व्यक्ति के जीवन में स्वच्छता क्यों जरूरी हैं ?
3. स्वच्छता के संबंध में स्वंय की भूमिका बताइए।
4. सार्वजनिक स्वच्छता के लिए विद्यालय में आपका योगदान लिखिए ।
5. अपने आस–पास स्वच्छता अभियान के लिए आपका क्या योगदान होगा ?